भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 464

उत्तर देने की तारीख 22.07.2026

उत्तर प्रदेश में ईएमआरएस की प्रगति

464 श्रीमती गीता उर्फ चन्द्रप्रभाः

क्या **जनजातीय कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जनजातीय बहुल क्षेत्रों तक विस्तार सहित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) योजना की राष्ट्रीय स्तर पर प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ख) उत्तर प्रदेश के जनजातीय गांवों को इसमें शामिल किए जाने की स्थिति क्या है, तथा इसके क्रियान्वयन की चुनौतियों और सफलताओं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच में सुधार के प्रयासों, और जनजातीय समुदायों में पढ़ाई छोड़ने की दर को कम करने व सांस्कृतिक संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए की गई पहलों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) औरैया - इटावा के जनजातीय बहुल गांवों तक ईएमआरएस योजना का विस्तार किए जाने तथा ईएमआरएस के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय छात्रवृत्तियों और आरक्षित सीटों में प्राथमिकता प्रदान किए जाने का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्यमंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क) से (ख): 2011 की जनगणना के अनुसार, 50% से ज़्यादा अजजा आबादी और कम से कम 20,000 जनजातीय व्यक्तियों वाले आदिवासी बहुल ब्लॉकों में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) की स्थापना की गई है। अभी उत्तर प्रदेश के 3 ईएमआरएस सहित देश भर में 508 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) कार्यशील हैं।

देश भर के ईएमआरएस में शिक्षा और खेल सुविधाओं की गुणवत्ता बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, जिनमें आधुनिक शिक्षण साधनों से लैस कक्षाएं, ब्रिज पाठ्यक्रम, सुधारात्मक कक्षाएं, विज्ञान और कंप्यूटर प्रयोगशालाएं, शिक्षण के विविध संसाधनों वाले पुस्तकालय, खेल के मैदान और खेल उपकरण, संगीत, कला और खेल जैसी पाठ्येतर गतिविधियों की सुविधाएं, डिजिटल शिक्षा के लिए स्मार्ट कक्षाएं, इंटरनेट सुविधा वाली कंप्यूटर प्रयोगशालाएं, कौशल विकास और परिधान संबंधी व्यावसायिक प्रशिक्षण, ऑटोमोटिव, एआर/वीआर, एआई, सौन्दर्य और स्वास्थ्य, कृषि, इलेक्ट्रॉनिक्स और खुदरा (रिटेल) जैसे क्षेत्रों में कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं।

जनजातीय विरासत और सांस्कृतिक संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए ईएमआरएस में जनजातीय कार्नर की स्थापना की गई है। देश की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और विरासत के बारे में छात्रों को जागरूक करने के लिए राष्ट्रीय ईएमआरएस सांस्कृतिक सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने, अधिगम के परिणामों में सुधार लाने और ड्रॉपआउट (स्कूल छोड़ने) की दर को कम करने के लिए ईएमआरएस में योग्य और प्रशिक्षित शिक्षकों की भर्ती की गई है। शिक्षकों द्वारा गृह दौरों के माध्यम से ईएमआरएस में गृह आधारित माता-पिता-

शिक्षक बैठकों (पीटीएमएस) की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य विद्यालय-माता-पिता-समुदाय भागीदारी को मजबूत करना, माता-पिता की भागीदारी बढ़ाना और छात्रों के प्रतिधारण में सुधार करना है।

(ग): औरैया और इटावा जिलों में कोई भी ब्लॉक ईएमआरएस की स्थापना के लिए निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करता है। मंत्रालय ईएमआरएस के छात्रों सहित अजजा छात्रों के बीच बुनियादी और उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए मैट्रिक पूर्व छात्रवृत्ति, मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति, उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति तथा राष्ट्रीय समुद्रपारीय छात्रवृत्ति जैसी विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है।

*****